जनजाति समाज के संघर्ष व बलिदान की समृद्ध परंपरा : रणवीर साय

कार्यशाला को संबोधित करते वक्ता ● जनसंपर्क

नईदुनिया न्यूज, बलरामपुर: शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बलरामपुर में भारत सरकार द्वारा जनजाति समाज का गौरवशाली अतीत, ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर के प्राचार्य नन्द कुमार देवांगन की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला के मुख्य अतिथि जनपद सीईओ बलरामपुर रणवीर साय थे। वक्ता के रूप में सहायक प्राध्यापक एनके सिंह उपस्थित रहे।

नवीन कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य अगस्टिन कुजूर ने कार्यशाला के उद्देश्य जनजाति समाज के गौरवशाली अतीत, आदिवासी वीर, वीरांगनाओं का स्वाधीनता आंदोलन में योगदान और बलिदान पर अपने विचार रखे। शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य एनके देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें आदिवासी समाज की संस्कृति एवं सामाजिक, आध्यात्मिक योगदान को हमेशा याद रखना चाहिए। मुख्य अतिथि रणवीर साय ने कहा कि आदिवासी समाज का इतिहास बहुत प्राचीन है। हड़प्पा सभ्यता के अवशेष से आदिवासी समाज के साक्ष्य प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति में बस्तर क्षेत्र के आदिवासियों का गौर नृत्य विश्व का सबसे सुंदर नृत्य माना जाता है। सहायक प्राध्यापक एनके सिंह ने कहा कि तिलका मांझी के नेतृत्व में दमन विद्रोह, वीर बुधु भगत का गोरिल्ला युद्ध, सिद्धू और कानून मुर्मू के नेतृत्व में संथाल विद्रोह, बिरसा मुंडा के नेतृत्व में विद्रोह, गुंडाधुर के नेतृत्व में भूमिकल आंदोलन, टाना भगत विद्रोह, वीर नारायण सिंह का विद्रोह, भीलों एवं नागाओं के विभिन्न आंदोलन और विद्रोह जनजाति समाज के संघर्ष और बलिदान की एक समृद्ध परंपरा रही है।

आदिवासी वीरांगना फूलों और झानो मुर्मू, रानी दुर्गावती, झलकारी बाई, राजकुमारी सिनगी दाई, नागालैंड की रानी गाइडिन्ल्यू के संघर्ष और विद्रोह, समाज सेवा के क्षेत्र में संत गहिरा गुरु और माता राजमोहिनी देवी के योगदान को विस्तार से बताया गया। कार्यशाला में उपस्थित अतिथियों को शाल व श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।

इस दौरान जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष जयंती सिंह, सहायक प्राध्यापक अमरदीप एक्का, ब्लासियुस एक्का, विवेक सिंह आयाम, डॉ. वैभव कुमार, गंगोत्री पैकरा, कमला सिंह, विद्या राजपूत, डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. आयुषि गुप्ता, अरुण कुमार, सुनील यादव, हृदयनाथ विश्वकर्मा, ऋषिराज गुप्ता, हेमन्त यादव, कंचन गुप्ता एवं छात्राएं उपस्थित थे।

जनजाति समाज का
गौरवशाली अतीत
''ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान''
एक दिवसीय कार्यशाला
दिनांकः- 22 अक्टूबर 2024
बलरामपुर (छ.ग.)
बिना हेलमेट...?
अत्यधिक गति...?

जनजाति समाज का
गौरवशाली अतीत
''ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान''
एक दिवसीय कार्यशाला
दिनांकः- 22 अक्टूबर 2024
बिना हेलमेट...?
ठहरिए... हेलमेट पहनिए, जान बचाइए!!
अत्यधिक गति...?

बिना हेलमेट...?
अत्यधिक गति...?
शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बलरामपुर (छ.ग.)
विद्ययामृतमश्नुते
छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग
जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत
''ऐतिहासिक,समाजिक एवं
अध्यात्मिक योगदान''
एक दिवसीय कार्यशाला
राष्ट्रीय संगोष्ठी
दिनांक :22 अक्टूबर 2024

जनजाति समाज का
गौरवशाली
अक्टूबर
बलरामपुर

अतिथिगण
राष्ट्रीय संगोष्ठी
शा. नवीन कन्या

अत्यधिक गति...?
वाहन गति सीमा में
चलाइए!
जान बचाइए!!

समाज का
गौरवशाली अतीत
सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान
एक दिवसीय कार्यशाला
दिनांकः- 22 अक्टूबर 2024
बलरामपुर (छ.ग.)

राष्ट्रीय संगोष्ठी
दिनांक : 22 अक्टूबर 2024

जनजाति समाज का
गौरवशाली अतीत
"ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान"
एक दिवसीय कार्यशाला
दिनांकः- 22 अक्टूबर 2024
बलरामपुर (छ.ग.)
बिना हेलमेट...?
अत्यधिक गति...?